कोठारी इंटरनेशनल स्कूल,नोएडा
वार्षिक परीक्षा 2024-25
कक्षा :9 विषय : हिंदी बी/ कोड (085)
सेट – सी

दिनांक व दिन: 14 फरवरी 2025 शुक्रवार **निर्धारित समय: 3 घंटे**

अधिकतम अंक:80 **अनुक्रमांक:-------**

नाम : _____

सामान्य निर्देश:

** इस प्रश्न-पत्र में चार खंड है- खंड क , ख , ग और घ*

** दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

** परीक्षा पत्र में 9 पृष्ठ तथा 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।*

** यथासंभव चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।*

खंड- क (अपठित गद्यांश 14 अंक)

प्रश्न1. अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (7)

गीता के इस उपदेश की लोग प्रायः चर्चा करते हैं कि कर्म करें, फल की इच्छा न करें। यह कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं। कर्म के मार्ग पर आनन्दपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अन्तिम फल तक न भी पहुँचे, तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्म करते हुए उसका जो जीवन बीता वह संतोष या आनन्द में बीता, उसके उपरांत फल के प्राप्त न होने पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया। फल पहले से कोई बना-बनाया पदार्थ नहीं होता। अनुकूल प्रयल-कर्म के अनुसार, उसके एक-एक अंग की योजना होती है। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है। वह वैद्यों के यहाँ से जब तक औषधि ला-लाकर रोगी को देता जाता है तब तक उसके चित्त में जो संतोष रहता है. प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनन्द का उन्मेष होता रहता है. यह उसे कदापि न प्राप्त होता, यदि वह रोता हुआ बैठा रहता। प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह में बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दुःख में कटता। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्म-ग्लानि के उस कठोर दुःख से बचा रहेगा जो उसे जीवन भर यह सोच-सोच कर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया |कर्म में आनन्द अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनन्द भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और शमन करते हुए कर्म करने से चित्त में जो तुष्टि होती है। वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है |

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए: **(1x3=3)**

1. गद्यांश में गीता के किस उपदेश की ओर संकेत किया गया है?

(क) फल पहले से कोई बना-बनाया पदार्थ नहीं होता

(ख) कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं

(ग) फल के बारे में सोचें

(घ) कर्म करें फल की चिंता नहीं करें

2. 'कर्मण्य' किसे कहा गया है?

(क) फल के चिंतन में आनन्द को अनुभव करने वालों को

(ख) काम करने में आनन्द का अनुभव करने वालों को

(ग) काम न करने वालों को

(घ) अधिक सोचने वालों को

3.कर्म करते हुये चित्त में संतोष का अनुभव ही कर्मवीर का सुख माना गया है-

(क) अत्याचार का दमन और शमन करने की भावना से

(ख) आत्म-ग्लानि की भावना से

(ग) संतोष या आनन्द की भावना से

(घ) उपचार की भावना से

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: **(2x2=4)**

क) कर्म करने वाले को फल न मिलने पर भी पछतावा क्यों नहीं होता?

ख) घर के बीमार सदस्य का उदाहरण क्यों दिया गया है?

प्रश्न 1.ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (7)

जिस मनुष्य ने अपने भावों को व्यापक बना लिया हो, जिसने विश्व की आत्मा से समन्वय स्थापित कर लिया हो, वही महान साहित्यकार हो सकता है। जिसकी आत्मा विशाल हो जाती है वह हँसने वालों के साथ हँसता है, रुदन करने वालों के साथ रुदन करता है, ऐसा साहित्य एक देश का होने पर भी सार्वभौम होता है। रामायण और महाभारत देशकाल से बँधे हुए नहीं, इसलिए वे अमर-काव्य हैं। मनुष्य जीवन संघर्ष में अपना देवत्व खो देता है, साहित्य उसे पुनः देवत्व प्रदान करता है। साहित्य उपदेशों से नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं को प्रेरित करके हममें ऊँची भावनाएँ जगाता है। साहित्य आदर्शों को स्थापित करके मनुष्य के जीवन का उन्नयन करता है। उसमें नैतिक मूल्यों का संचार करता है। सर्वसामान्य के प्रति प्रेम-भाव उत्पन्न करता है। भ्रष्टाचारियों और अनाचारियों के प्रति रोष जगाकर समाज को स्वच्छ बनाता है।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए: (1x3=3)

1. कौन सा काव्य अमर हो जाता है?

(क) जो काव्य मनुष्य के जीवन का उन्नयन करता है

(ख) जो काव्य देशकाल से बँधा नहीं होता

(ग) जो काव्य हममें ऊँची भावनाएँ जगाता है

(घ) जो काव्य समाज को स्वच्छ बनाता हैं

2. मनुष्य को पुनः देवत्व कौन प्रदान करता है?

(क) साहित्यकार

(ख) काव्य

(ग) साहित्य

(घ) प्रेम-भाव

3. साहित्यकार महान कैसे हो सकता है?

(क) आत्मा को विशाल बनाकर

(ख) अपने भावों को व्यापक बनाकर

(ग) आदर्शों को स्थापित करके

(घ) समाज को स्वच्छ बनाकर

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: (**2x2=4**)

क). लेखक ने रामायण व महाभारत को कैसा काव्य बताया और क्यों?

ख) मानव जीवन में साहित्य का क्या महत्व है?

खंड –ख (व्यावहारिक व्याकरण 16 अंक)

प्रश्न 2.अ) शब्द –पद पर आधारित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1x2=2)

(i) शब्द पद से भिन्न है कैसे ?

(ii) पद कहलाने के लिए शब्द को अपने स्वरूप में क्या परिवर्तन लाना पड़ता है. स्पष्ट करें|

(iii) विवेक अपने घर चला गया । इस वाक्य में 'विवेक' क्या है ?

प्रश्न 2.ब) अनुस्वार – अनुनासिक पर आधारित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए-
(1x2=2)

(क) मजुला, सामजस्य में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर लिखिए |
(ख) उचित स्थान पर अनुनासिक लगाते हुए दो अनुनासिक वाले शब्द चुनकर लिखें-
बधन , क्योकि ,मास , बाटना
(ग) 'महाकुम्भ' में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप में लिखिए ।

प्रश्न3) उपसर्ग–प्रत्यय पर आधारित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों उत्तर लिखिए – (1x4=4)

(क) ' निर् ' उपसर्ग के योग से बने दो शब्द लिखिए |
(ख) 'आई' प्रत्यय के योग से बने दो शब्द लिखिए|
(ग) 'सु ' उपसर्ग किस मूल शब्द में जोड़ने पर सार्थक शब्द बनेगा ?
(घ) 'दैविक ' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय लिखिए |
(ड) 'व्यक्ति ' शब्द में उचित प्रत्यय लगाकर शब्द का सही रूप लिखिए |

प्रश्न4) निम्नलिखित 'विराम चिह्न' पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
(1x2= 2)

(क) हर्ष ,शोक , आश्चर्य आदि भावों को दर्शाने के लिए किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ?
(ख) योजक चिह्न का एक उदाहरण देते हुए यह बताएँ कि उसका इस्तेमाल कब किया जाता है ?
(ग) माँ ने कहा अविनाश खेलते खेलते नहीं खाना चाहिए (वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाएँ)

प्रश्न5) वाक्य भेद पर आधारित निम्न प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1×3=3)

(क) कृपया शांति बनाए रखें। (वाक्य का भेद लिखें)
(ख) दशरथ अयोध्या के राजा हैं। (निषेधवाचक वाक्य है – सही / गलत)
(ग) यदि तुम पढोगे तो अवश्य सफल होगे | (वाक्य का भेद लिखें)
(घ) क्या समीर हँस रहा है ? (इच्छावाचक वाक्य के रूप में लिखें))

प्रश्न 6) निम्नलिखित 'संधि' पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन प्रश्नों</u> के उत्तर दीजिए –

(1x3=3)

(क) ----------संधि कहलाता है |(खाली स्थान के लिए उचित शब्द लिखें)
(ख) 'छात्रावास ' का संधि – विच्छेद करें |
(ग) 'महा + ईश' की संधि से क्या शब्द बनता है ? लिखें |
(घ) 'फलानुसार' का संधि विच्छेद क्या होगा ?

<u>खंड-ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक -30 अंक)</u>

प्रश्न 7) निम्न पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखें – (1x5=5)

दोपहर बाद मैंने अपने दल के दूसरे सदस्यों की मदद करने और अपने एक धरमस को जूस से और दूसरे को गरम चाय से भरने के लिए नीचे जाने का निश्चय किया। मैंने बर्फीली हवा में ही तंबू से बाहर कदम रखा। जैसे ही में कैंप क्षेत्र से बाहर आ रही थी मेरी मुलाकात मीनू से हुई। की और जय अभी कुछ पीछे थे। मुझे जय जेनेवा स्पर की चोटी के ठीक नीचे मिला। उसने कृतज्ञतापूर्वक चाय वगैरह पी, लेकिन मुझे और आगे जाने से रोकने की कोशिश की। मगर मुझे की से भी मिलना था। थोड़ा-सा और आगे नीचे उतरने पर मैंने की को देखा। वह मुझे देखकर हक्का-बक्का रह गया।"तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री?"मैंने उसे दृढ़तापूर्वक कहा, "मैं भी औरों की तरह एक पर्वतारोही हूँ. इसीलिए इस दल में. आई हैं। शारीरिक रूप से मैं ठीक हूँ। इसलिए मुझे अपने दल के सदस्यों की मदद क्यों नहीं करनी चाहिए।" की हँसा और उसने पेय पदार्थ से प्यास बुझाई, लेकिन उसने मुझे अपना किट ले जाने नहीं दिया।.

(1) दल से दूसरे सदस्यों की सहायता हेतु लेखिका ने क्या करने का निश्चय किया?

क) सभी विकल्प सही है

ख) वापस नीचे जाने का

ग) ऑक्सीजन लेकर जाने की

घ) रस्सी को मजबूती से बाँधने का

(ii) लेखिका बर्फीली हवा में ही तंबू से बाहर क्यों निकली?

क) उसे वहाँ गर्मी लग रही थी

ख) उसे पीछे रह गए अपने साथियों की मदद करनी थी

ग) वह अपने साथियों को ढूँढना नहीं चाहती थी

घ) उसके साथी उससे आगे चले गए थे

(iii) जय ने लेखिका को और आगे जाने से रोकने का प्रयास क्यों किया ?

क) क्योंकि आगे जाने में खतरा था

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) क्योंकि आगे जाने में जय का परशानी हो रही थी

घ) क्योंकि जय को लेखिका स कुछ बात करनी थी

(iv) की लेखिका को देखकर हक्का-बक्का क्यों रह गया था?

क) क्योंकि वह दुर्गम मार्ग पर साथियों की सहायता के लिए पुनः वापस आई थी

ख) क्योंकि वह काफी डरी हुई थी

ग) क्योंकि वह चाय बनाकर लाई थी

घ) क्योंकि वह अकेले दुर्गम मार्ग पर नहीं जाना चाहती थी

(v) इसलिए मुझे अपने दल के सदस्यों की मदद क्यों नहीं करनी चाहिए कथन से लेखिका के किस स्वभाव का पता चलता है?

क) साहसी होने का

ख) साहसी और परोपकारी होने का

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) परोपकार की भावना होने का

प्रश्न 8) निम्न प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर</u> 25-30 शब्दों में लिखें - (3X2=6)

क) खरबूज़े बेचने वाली बुढ़िया को रोते देखकर लेखक चाहकर भी क्या न कर सका? आप लेखक की जगह होते तो क्या करते ?

ख) तुम कब जाओगे, अतिथि पाठ में आए कथन की व्याख्या कीजिए- अंदर ही अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया ।

ग) वाद्ययंत्रों पर की गई खोजों से रामन् ने कौन सी भ्रांति तोड़ने की कोशिश की? इससे रामन के व्यक्तित्व का कौन सा गुण परिलक्षित होता है ? 'वैज्ञानिक चेतना के वाहक चंद्रशेखर वेंकट रामन्' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

घ) गांधी जी के जीवन में महादेव भाई का क्या स्थान था ? पाठ 'शुक्रतारे के समान' के आधार पर स्पष्ट कीजिए साथ ही यह भी बताइए कि आपके जीवन में किसका स्थान महत्त्वपूर्ण है और क्यों ?

प्रश्न 9 .निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –(1x5=5)

यहीं इस गली में बनती हैं

मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ

इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग

बनाते हैं केवड़ा गुलाब खस और रातरानी

अगरबत्तियाँ

दुनिया की सारी गंदगी के बीच

दुनिया की सारी खुशबू

रचते रहते हैं हाथ

खुशबू रचते हैं हाथ

खुशबू रचते हैं हाथ

(i) मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ कौन बनाते हैं?

(क) साफ़-सुथरे लोग, (ख) गरीब लोग, (ग) गंदे-मुहल्लों के गंदे लोग, (घ) अमीर लोग

(ii) यहाँ के लोग किस प्रकार की सुगंध वाली अगरबत्तियाँ बनाते हैं?

(क) गुलाब (ख) केवड़ा (ग) खस व रातरानी (घ) तीनों सही हैं।

(iii) इस काव्यांश का संदेश है-

(क) गंदे लोगों को अगरबत्तियाँ बनाना पसंद है।

(ख) गरीब लोग स्वयं गंदगी में रहकर दूसरों के जीवन में खुशियाँ फैलाते हैं।

(ग) गंदे मुहल्लों में रहने वाले गंदे लोगों का चित्रण करना

(घ) समाज में व्याप्त समस्याओं का वर्णन करना

(iv) कविता की भाषा है-

(क) ब्रज, (ख) अवधी, (ग) खड़ी बोली (घ) सधुक्कड़ी

(v) उपर्युक्त काव्यांश के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?

(क) गंदे मुहल्लों में रहने वाले गंदे लोग गुलाब, केवड़ा, खस तथा रातरानी जैसे फूल उगाते हैं।

(ख) देश की प्रसिद्ध अगरबत्तियाँ गंदी गलियों में बनती है।

(ग) गंदे लोग खुशबूदार फूलों वाले बगीचे में रहते हैं।

(घ) अगरबत्तियाँ बनाने वाले लोग प्रायः गरीब होते हैं।

प्रश्न10) निम्न प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर</u> 25-30 शब्दों में लिखें - (3X2=6)

क) 'अग्निपथ' कविता का प्रतिपाद्य लिखते हुए जीवन में उसकी महत्ता पर अपने विचार लिखिए |

ख) 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार दुख – दर्द में सुख और आनंद तथा दुर्गंध के बीच सुगंध का सृजन होता है ?

ग) 'रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय' से रहीम ने लोगों को क्या समझाने का प्रयास किया है ?

घ) कवि ने 'नए इलाके में'कविता में शहरों में होने वाले किन परिवर्तनों की ओर इशारा किया है ? आप कवि के विचारों से कहाँ तक सहमत हैं ?

प्रश्न11) निम्न प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर</u> 50-60 शब्दों में लिखें - (4X2=8)

क) 'सत्यार्थ प्रकाश' और 'स्वामी दयानंद सरस्वती की जीवनी' का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा ? इन पुस्तकों ने लेखक की चिंतन – धारा और तार्किकता को किस प्रकार प्रभावित किया ?

ख) "माँ की गोद की याद आती थी । जी चाहता था कि माँ आकर छाती से लगा ले और लाड़ – प्यार करके कह दे कि कोई बात नहीं , चिट्ठियाँ फिर लिख ली जाएँगी ।" लेखक को माँ की गोद की याद क्यों आई ? 'स्मृति' पाठ के आधार पर लिखिए ।

ग) किसी भी राज्य में बाहरी लोगों के आने से कुछ समस्याएँ उत्पन्न होती हैं तो कुछ अच्छा भी होता है। इस कथन के संदर्भ में त्रिपुरा की स्थिति पाठ 'कल्लू कुम्हार की उन्नाकोटी' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

<u>खंड घ (लेखन 20 अंक)</u>

प्रश्न 12) दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक विषय पर 120 शब्दों में</u> एक अनुच्छेद लिखें– (5)

क) अपनी मातृभाषा

- मातृभाषा का अर्थ
- मातृभाषा की विशेषताएँ

• मातृभाषा का महत्त्व

ख) स्वास्थ्य की रक्षा

• आवश्यकता
• पोषक भोजन
• लाभकारी सुझाव

प्रश्न13) निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक विषय पर 120 शब्दों में एक पत्र</u> लिखें– (5)

आप लक्षिता/लक्ष्य हैं। आप उच्च शिक्षा के लिए विदेश जानेवाली /वाले हैं। इस बात से आपकी माँ भावनात्मक रूप से बेहद परेशान हैं। उनको समझाते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

अथवा

दीपावली की सफ़ाई के दौरान आपको कोई ऐसी वस्तु मिल गई जिससे आप भावुक हो उठे। उसकी और उससे जुड़ी स्मृतियों की बातें साझा करते हुए मित्र को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्रश्न14) निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक विषय पर 120 शब्दों में संवाद</u> लिखें– (5)

क) अध्यापक और अनुपस्थित रहनेवाले छात्र राहुल के बीच संवाद लिखिए।

अथवा

ख) अपने विद्यालय के पूर्व छात्र से आपकी मुलाकात होती है और आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता | आप दोनों के बीच हुए संवाद को लिखिए।

प्रश्न 15) निम्न चित्र का वर्णन 100 शब्दों में करें- (5)